नवभारत

| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

देश को व्यापक टैक्स रिफॉर्म की जरूरत

संसद की ताज़ा रिपोर्ट भारत की कर-संस्कृति में आए सकारात्मक बदलाव की ओर संकेत देती है. आयकर छूट का दायरा बढ़ाए जाने के बावजूद, पिछले चार वर्षों में टैक्स चुकाने वालों की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है. 2020-21 में दाखिल 6.72 करोड़ आयकर रिटर्न में से 1.88 करोड़ लोगों ने वास्तविक टैक्स चुकाया था, जबकि 4.84 करोड़ लोग जीरो टैक्स रिटर्न फाइलर थे. अब यही श्रेणी 15 प्रतिशत बढ़ी है, जो बताती है कि अधिक नागरिक आय घोषित करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने को तैयार हैं. इन बदलावों के पीछे डिजिटल सुधारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. ई-फाइलिंग सिस्टम का सरलीकरण, प्री-फिल्ड फॉर्म्स, ऑनलाइन सत्यापन और बैंकिंग नेटवर्क का विस्तार ने अनुपालन को सहज बनाया है.

डिजिटल भुगतान, यूपीआई आधारित लेन-देन और डेटा एनालिटिक्स ने आय के स्रोतों को ट्रैक करना आसान किया है, जिससे कर चोरी पर नियंत्रण संभव हुआ है. औपचारिक रोजगार में वृद्धि और स्टार्टअप-इकोसिस्टम का विस्तार भी नए टैक्सपेयर वर्ग को जोड़ रहा है. लेकिन इस तस्वीर का दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है. टैक्स अदा करने वालों में सबसे बड़ा वर्ग अभी भी नौकरीपेशा लोगों का है,सरकारी और निजी कर्मचारियों का, जिनकी आय स्रोत पर ही कटौती के माध्यम से कराधान के दायरे में आ जाती है. इसके विपरीत, बड़े कारोबारी समूहों और उच्च आय वर्ग की वास्तविक कर-देयता अपेक्षाकृत कम बनी हुई है. आय छिपाव, प्रॉफिट-शिफ्टिंग, और जटिल आर्थिक संरचनाओं के सहारे टैक्स भार को न्यूनतम करने की प्रवृत्ति अब भी बरकरार है. यही कारण है कि भारत का टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात अभी वैश्विक मानकों से नीचे है. भारत ने जीएसटी के रूप में अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में व्यापक सुधार लागू किए, परंतु प्रत्यक्ष कर ढांचे में ऐसी निर्णायक पहल अभी बाकी है. उच्च आय वर्ग के लिए अधिक प्रगतिशील कर-स्लैब, कॉरपोरेट टैक्स में वास्तविक प्रभावी दरों की पारदर्शिता, और पेशेवर एवं व्यापारिक आय पर सख्त अनुपालन व्यवस्था,ये कदम लंबे समय से लंबित हैं. यदि सुधारों का फोकस केवल वेतनभोगी वर्ग तक सीमित रहा, तो टैक्स बेस का विस्तार असमान और आंशिक ही रहेगा.

दरअसल यही वर्ग भविष्य में संभावित करदाता बन सकता है. नई टैक्स व्यवस्था के तहत मध्यम वर्ग को दी गई छूट उपभोग को प्रोत्साहित करती है, जो अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने वाला कारक है. किंतु केवल छूट आधारित नीति विकासोन्मुख कर ढांचे का विकल्प नहीं बन सकती. अब आवश्यकता है,व्यापक प्रत्यक्ष कर सुधारों की, जिनमें डायरेक्ट टैक्स कोड का प्रभावी क्रियान्वयन, एआई-आधारित ऑडिट सिस्टम और जोखिम-आधारित जांच तंत्र जैसे उपाय शामिल हों. कुल मिलाकर भारत का कर तंत्र एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है. बढ़ते कर-अनुपालन और डिजिटल सुधारों ने कर-संस्कृति को सशक्त किया है, लेकिन टैक्स संरचना का बोझ अभी भी असमान रूप से वेतनभोगी वर्ग पर केंद्रित है.

आर्थिक न्याय तभी सुनिश्चित होगा, जब व्यापारिक और उच्च आय वर्ग भी समुचित रूप से कर-जिम्मेदारी निभाए. व्यापक प्रत्यक्ष कर सुधार, कॉरपोरेट टैक्स पारदर्शिता, पेशेवर आय के बेहतर ऑडिट तंत्र और डायरेक्ट टैक्स कोड के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ही भारत टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात को वैश्विक मानकों के करीब ला सकता है. यदि सरकार जीएसटी जैसे साहसिक दृष्टिकोण को आयकर क्षेत्र में भी लागू करे, तो कराधान केवल राजस्व संग्रह का माध्यम नहीं रहेगा,बल्कि समावेशी विकास, सामाजिक समानता और मजबूत अर्थव्यवस्था की आधारशिला बन सकेगा.

विश्वास की पहचान मध्यप्रदेश पुलिस

सय्यद असीम अली

मध्यप्रदेश पुलिस ने वर्ष 2025 में कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक सरोकार और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ दर्ज की हैं. पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच और सशक्त दिशा-निर्देशन में प्रदेश पुलिस ने न केवल अपराध नियंत्रण में प्रभावी भूमिका निभाई, बल्कि नागरिकों के प्रति संवेदनशील, तकनीक-आधारित और भरोसेमंद पुलिसिंग का उदाहरण प्रस्तुत किया है.

महिला-बाल एवं कमजोर वर्गों की सुरक्षा में प्रभावी पहल- वर्ष 2025 में संचालित ऑपरेशन मुस्कान एवं मुस्कान विशेष अभियान के तहत मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेशभर से 14 हजार से अधिक गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं को सुरक्षित दस्तयाब कर उनके परिजनों से मिलाया. उल्लेखनीय है कि यह अभियान केवल प्रदेश तक सीमित न रहकर अन्य राज्यों तथा नेपाल-पाकिस्तान सीमा से लगे क्षेत्रों तक विस्तारित रहा. इसी तरह सृजन अभियान के अंतर्गत 5 हजार से अधिक बालक-बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण देकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा गया, जिससे बाल विवाह, बाल हिंसा जैसे गंभीर सामाजिक अपराधों की रोकथाम में ठोस परिणाम सामने आए.

> **साइबर अपराध एवं डिजिटल सुरक्षा**- सेफ क्लिक पहल के माध्यम से डिजिटल जागरूकता और साइबर सुरक्षा को सशक्त किया गया. नागरिकों को सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, फर्जी लिंक, एप्स, डिजिटल फ्रॉड, साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं एनसीआरपी पोर्टल की जानकारी दी गई. साइबर फ्राड मामलों में त्वरित कार्रवाई कर नागरिकों की 50 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सुरक्षित वापस कराई गई. संगठित साइबर ठगी गिरोहों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 250 करोड़ रुपये से अधिक की राशि फ्रिज की गई.

अपराधों पर कड़ा अंकुश- अवैध हथियारों के निर्माण, तस्करी और उपयोग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए 2,266 फायर आर्म्स और 4,800 धारदार हथियार जब्त किए गए. अंतरराज्यीय हथियार तस्कर गिरोहों का पर्दाफाश कर अवैध फैक्ट्रियों को ध्वस्त किया गया. चोरी, लूट एवं डकैती के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए 132 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की चोरी की संपत्ति बरामद की गई. चोरी गए वाहनों की बरामदगी में 3,779 दोपहिया, 274 चारपहिया तथा 193 अन्य वाहन शामिल हैं.

जहाँ डर टूटा, भरोसा बना- वर्ष 2025 मध्यप्रदेश पुलिस के लिए केवल उपलब्धियों का नहीं, बल्कि विश्वास निर्माण का वर्ष रहा. मध्यप्रदेश पुलिस ने बीते वर्ष में अपनी कार्यशैली से यह सिद्ध किया है कि सख़्त कानून-व्यवस्था और मानवीय संवेदनशीलता साथ-साथ चल सकती हैं. नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति की बहाली, साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई ने जनता के मन से डर को दूर किया है. जनसंवाद, तकनीकी नवाचार और पारदर्शी प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से पुलिस और समाज के बीच विश्वास की नई मजबूत कड़ी बनी है. आज मध्यप्रदेश पुलिस केवल सुरक्षा बल नहीं, बल्कि भरोसे का ऐसा स्तंभ बन चुकी है, जिस पर समाज निडर होकर आगे बढ़ रहा है. नक्सल उन्मूलन से लेकर साइबर अपराध नियंत्रण तक पुलिस ने सख़्ती और संवेदनशीलता का संतुलित उदाहरण प्रस्तुत किया. ऑपरेशन मुस्कान के माध्यम से हजारों गुमशुदा बच्चों की सुरक्षित वापसी, नशे से दूरी है जरूरी जैसे जनआंदोलनों और डिजिटल पुलिसिंग ने जनता का भरोसा मज़बूत किया. डायल-112, साइबर हेल्पलाइन और तकनीकी नवाचारों से पुलिस की पहुँच तेज और पारदर्शी बनी. मध्यप्रदेश पुलिस ने साबित किया कि जब सुरक्षा के साथ संवाद जुड़ता है, तब डर टूटता है और विश्वास जन्म लेता है.

सुनती है, समझती है, साथ निभाती है- मध्य प्रदेश पुलिस आज केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी बन चुकी है. बदलते समय के साथ पुलिस की भूमिका संवाद, संवेदनशीलता और सहयोग की दिशा में विस्तृत हुई है.जनसुनवाई, थाना स्तर पर संवाद कार्यक्रम, पुलिस चौपाल, महिला व साइबर सुरक्षा अभियान और सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस आम नागरिकों से सीधे जुड़ रही है. इससे पारदर्शिता बढ़ी है और समस्याओं के समाधान में तेजी आई है.महिला एवं बाल सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम, हेल्पलाइन और विशेष सहायता डेस्क ने पीड़ितों का भरोसा मजबूत किया है. डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन शिकायत प्रणाली ने दूर-दराज़ के लोगों तक पुलिस की पहुँच आसान बनाई है.ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस चौपाल और युवाओं के लिए संवादात्मक कार्यक्रम समाज में सहयोग और सुरक्षा की भावना को सशक्त कर रहे हैं.

नक्सल उन्मूलन में ऐतिहासिक सफलता- वर्ष 2025 मध्यप्रदेश के लिए नक्सलवाद उन्मूलन की दृष्टि से ऐतिहासिक सिद्ध हुआ. तीन दशकों पुरानी नक्सल समस्या का योजनाबद्ध समाधान करते हुए प्रदेश को पूरी तरह नक्सल-मुक्त घोषित किया गया.

ग्वालियर चंबल डायरी

बालेन्दु ने सुरेन्द्र और सतीश के बीच कराया सीजफायर, कब तक टिकेगा

हरीश दुबे

जब से ग्वालियर कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर सुरेन्द्र यादव विराजे हैं, तभी से उनकी अपनी ही पार्टी के कद्दावर विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार से दूरियां राजनीतिक हलकों में चर्चा का सबब बनती रही हैं. अध्यक्ष बनने के बाद से ही नए सदर ने विधायक के साथ मंच साझा नहीं किया. पार्टी के स्थापना दिवस पर सतीश ने तोरण वाटिका में शहर के सैकड़ों पुराने नेताओं, कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह रखा तो पार्टी के शहर सदर ने बुलाने पर भी तशरीफ फरमाने की जहमत नहीं की. कह दिया कि कहीं व्यस्त हैं लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से पैगाम भी भिजवा दिया कि यह समानांतर कार्यक्रम है क्योंकि पार्टी की तरफ से आधिकारिक सम्मान समारोह तो कांग्रेस दफ्तर पर ही रखा गया था.

बहरहाल, दोनों ओर से रार और तकरार ठनी हुई थी, इससे पहले कि पार्टी के मनमुटाव घर और दफ्तर की दहलीज लांघें, करीब पंद्रह साल तक सूबे के चार वजीरेआलाओं की सरकार में वजनदार मिनिस्टर और पार्टी के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष रह चुके बालेंदु शुक्ला ने सीजफायर की कमान संभाली. उन्होंने अपने बंगले पर दोनों नेताओं को बुलाया, दो घंटे तक दोनों नेता एक दूसरे के प्रति शिकायतें दर्ज कराते रहे और फिर गले मिलकर एकजुट हो गए. चूंकि बालेंदु ने मिनिस्टर और कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके दो और बड़े नेताओं भगवान सिंह यादव और चंद्रमोहन नागौरी को भी बुलवा रखा था, लिहाजा दोनों लीडरान के गिले शिकवे दूर करने के लिए बालेंदु को ज्यादा मशक्कत नहीं करना पड़ी. अब देखना है कि झांसी रोड से शुरू हुई यह पहल ललितपुर कॉलोनी और विजयनगर को कितना करीब लाती है.

लेकिन श्योपुर में सीताराम और रामनिवास के दल मिले, दिल नहीं

ग्वालियर जैसी ही इबारत श्योपुर के सियासी अक्श पर पढ़ी जा सकती है. यहां भाजपा के दो बड़े नेता टकरा गए हैं. दोनों ही विधायक रह चुके हैं. एक तो कई दफा मिनिस्टर रहे हैं और दूसरे को अभी भी मंत्री का दर्जा हासिल है. हम बात कर रहे हैं रामनिवास रावत और सीताराम आदिवासी की. मोर्चा सीताराम ने खोला है और रामनिवास फिलहाल डिफेंसिव मोड में हैं.

सीताराम को इस बात का दर्द है कि सहरिया विकास प्राधिकरण के प्रदेश उपाध्यक्ष के नाते वे अभी भी राज्यमंत्री का ओहदा रखते हैं जबकि रामनिवास उपचुनाव हारने के बाद से अब किसी सरकारी ओहदे पर नहीं हैं, तब भी प्रशासन से लेकर सरकार तक में रामनिवास को ही तवज्जो मिल रही है और उन्हें हाशिए पर पटख दिया गया है. उन्हें इस बात का रंज है कि प्रशासन जिले में होने वाली बैठकों में उनके बजाए रामनिवास को ही बुलाता है और सीएम भी अपने दौरों में रामनिवास को ही अहमियत देते हैं. वे दम ठोककर कहते हैं कि रावत समाज के दस पंद्रह हजार वोटों से चुनाव नहीं जीता जा सकता है, उनके आदिवासी समाज ने ही मुरैना श्योपुर सीट पर भाजपा के सांसद को जिताया है. उधर रामनिवास रावत का कहना है कि वे न तो सरकार और प्रशासन हैं और न संगठन के ओहदेदार, लिहाजा सीताराम की आपत्तियों का जवाब नहीं दे सकते. विजयपुर सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा ने भाजपा के रामनिवास रावत को हरा दिया था, इसके बाद रावत को फॉरेस्ट की मिनिस्ट्री छोड़ना पड़ी थी. रावत ने कांग्रेस के विजयी विधायक के खिलाफ चुनाव याचिका दायर कर रखी है. कोर्ट का जो भी नतीजा आए लेकिन दोनों पूर्व विधायक रावत और सीताराम अपनी तैयारियों में मशगूल हैं, इन रंजोगम और तोहमतों के सिलसिला को आने वाली संभावित सियासी चुनौतियों से जोड़कर देखा जा रहा है.

आर्यमन : अंचल की भविष्य की राजनीति के संकेत

सिंधिया परिवार के चश्मों चिराग महाआर्यमन एमपीसीए के अध्यक्ष बनने के बाद पहली दफा ग्वालियर और शिवपुरी आए तो उनके इस्तकबाल में नौजवान टीम की भीड़ उमड़ पड़ी. आर्यमन अभी एक्टिव पॉलिटिक्स में नहीं हैं लेकिन रोडशो की कामयाबी ने राजनीतिक विश्लेषकों को ग्वालियर की भविष्य की राजनीति के संकेत जरूर दे दिए. बहरहाल, चिंताजनक बात यह है कि रोडशो की कामयाबी की खुशी तब काफ़ूर हो गई जब वे शिवपुरी में रोडशो के दौरान ज़ख्मी हो गए और उन्हें चंदेरी, अशोकनगर, गुना के कार्यक्रम कैंसिल कर इलाज के लिए दिल्ली लौटना पड़ा. वे समर्थकों से कह गए हैं कि सेहत सुधरते ही फिर आएंगे, दौरा वहीं से शुरू होगा जहां छोड़ा था.

आरक्षण के साथ ओपन की भी सुविधा

आरक्षण यदि सामाजिक न्याय के लिहाज से अपनी अनिवार्यता रखता है, तो इसका मतलब यह नहीं कि अजा, अजजा व ओबीसी के उम्मीदवार सिर्फ वहीं तक सीमित बने रहें. यदि वे प्रतिभाशाली हैं और सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार से ज्यादा अंक लाते हैं तो वह जनरल कैटेगरी की सीटों पर भी सरकारी नौकरी पाने के योग्य होंगे. सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस उल्लेखनीय फैसले में 1992 के इंदिरा साहनी केस के ऐतिहासिक फैसले की मिसाल दी तथा कहा कि खुला माने खुला ! ओपन कैटेगरी किसी खास जाति या समूह के लिए नहीं है. वह सभी के लिए ओपन है. सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट गाइडलाइन जारी की है जिसके अनुसार लिखित परीक्षा में यदि आरक्षित श्रेणी का कोई उम्मीदवार सामान्य श्रेणी के कट ऑफ मार्क्स से ज्यादा नंबर हासिल कर लेता है, तो उसे इंटरव्यू में 'सामान्य श्रेणी' का उम्मीदवार माना जाएगा. इसके अलावा उसे यह सुविधा भी होगी कि अगर फाइनल मेरिट लिस्ट में किसी ऐसे उम्मीदवार का कट ऑफ जनरल श्रेणी के लिए निर्धारित कट ऑफ से कम रहता है, तो ऐसी हालत में वह अपनी आरक्षित श्रेणी के अनुसार ही आरक्षण का फायदा उठा सकेगा. इस मामले में राजस्थान

हाईकोर्ट की ओर से दलील दी गई थी कि अगर एससी-एसटी, ओबीसी और आर्थिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग को जनरल सीट भी लेने दी जाएगी तो इससे उन्हें दोहरा फायदा होगा. वह आरक्षण व सामान्य श्रेणी दोनों का लाभउठाएंगे. सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस दीपांकर दत्ता व जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने इन दलीलों को ठुकरा दिया और कहा कि योग्यता को उचित महत्व देना होगा. सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को रिजर्व कैटेगरी में आने वाले मेधावी उम्मीदवारों की बड़ी जीत माना जा रहा है. सरकारी नौकरियों व सरकारी शिक्षा संस्थाओं में जॉब्स पर इस फैसले का दूरगामी परिणाम होगा.

निशानेबाज

प्रतिद्वंद्वियों को पिला देंगे पानी सीएम देवाभाऊ की चेतावनी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, महाराष्ट्र के महापालिका चुनाव में राज्य की महायुति सरकार के सहयोगी घटक दलों के बीच टक्कर हो रही है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुणे में उप मुख्यमंत्री अजीत पवार को चेतावनी देते हुए कहा कि विरोधियों को हम पानी पिला देंगे. इस पर आपकी क्या राय है?'

हमने कहा, 'प्यासे को पानी पिलाना पुण्य का काम है. लोग इसके लिए प्याऊ खोलते हैं. देवाभाऊ भी यह पुण्य कार्य करने जा रहे हैं. बेहतर होगा कि पानी बिसलरी की बोतल में दिया जाए अथवा आरओ का हो. आप तो जानते हैं कि इंदौर का पानी कैसा जानलेवा बन गया है. वहां के प्रशासन ने जिन्हें जहरीला पानी पिलाया वह सीधे परलोक सिधार गए.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, पानी पिलाना एक मुहावरा है जो प्रतिपक्षी को मात देने को लेकर प्रयुक्त किया जाता है. लोग कहते हैं- क्या समझ रखा है ! मैंने अच्छे-अच्छों को पानी पिलाया है! कुछ लोग स्वाभिमानी और अपनी बात के पक्के हुआ करते हैं जिन्हें पानीदार कहा जाता है. जिन्हें आशंका रहती है कि कल नल आएगा या नहीं, वह बरतनों में पानी भरकर रखते हैं. कवि रहीम ने भी लिखा था- रहिमन पानी राखिए, पानी - बिन सब सून !'

हमने कहा, 'पानी को लेकर सार्वजनिक नल पर महिलाओं को झगड़ा करते आपने देखा होगा. भारत के पास अधिकार है कि यदि पाकिस्तान ने आतंकवाद जारी रखा तो उसे सिंधु नदी का पानी देना बंद कर देगा और बिना पानी के तड़पा-तड़पा के मारेगा. पानीपत की 3 लड़ाइयां इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं. नेपोलियन जैसा महान सेनानी भी वॉटरलू के युद्ध में हारा था. उस जगह वॉटर यानी पानी होगा और लू या गर्म हवा भी चलती होगी.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, कहावत है- पानी तेरा रंग कैसा, जिसमें मिलाया उस जैसा! मिलनसार लोगों का ऐसा ही स्वभाव रहता है, जो कहीं भी घुलमिल जाते हैं. जो बार-बार पार्टी बदलने वाले घाघ नेता होते हैं, उनके बारे में कह सकते हैं कि उन्होंने घाट-घाट का पानी पिया है. बेशर्म व्यक्ति को फटकारते हुए कहा जाता है- जाकर चुल्लू भर पानी में डूब मर! अध्ययनशील ज्ञानीजनों के लिए कहा जाता है- जिन खोजा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ ! देखना है कि चुनाव में किसकी पैठ मजबूत रहती है.'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12135 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	■	3		4	■	5
6		■		■	7		
■	8	9		■		■	
■	■		■	10		11	■
■	12				■	13	14
15	■		■			16	
17	18		19	■	20		
21		■	22			■	

बाएं से दाएं

1.हंसी, दिल्लगी, ठिठोली (सं.) 3. चतुर, सयाना, निपुण, प्रेमी, प्रवीण, पंडित. 6 परम कृष्ण भक्त जिसे विष का प्याला पीना पड़ा था 7. एक राग का नाम 8. विजय (उर्दू) 10. महाभारत युद्ध का एक पक्ष 12. नजर, भेंट, सौगात, तोहफा (उर्दू) 13. बुरी आदत, लत. 16. स्थान, जगह 17. जहां पांच नदियां बहती हैं सतलज (शतद्रु) व्यास (विपाशा) रावी (इरावती) चिनाब (चंद्रभागा) तथा झेलम (विस्तता) 20. मध्यप्रदेश के एक इलाके का नाम 21. एक पर एक रखी हुई वस्तुओं का समूह 22. स्त्री, औरत

ऊपर से नीचे

1. स्वीकृति, हिमायत करने वाला 2. सोने-चांदी का व्यवसाय करने वाला व्यक्ति 3. मेल, मिलाप, संधि (उर्दू) 4. झुककर सादर अभिवादन करना 5. वर्ष, साल (उर्दू) 9. तमाशा देखने वाला (उर्दू) 10. कुशलता, निपुणता, कोशल देश का निवासी 11. वह स्थान जहां प्राण दंड दिया जाए, कसाईखाना 14. धारदार लंबा हथियार, खंग, आसि 15. अंगहीन, लूला-लंगड़ा 18. निकर 19. सांस, प्राण, नशा करने के लिए सांस के साथ धुंआ खींचने की क्रिया 20. फूलों का हार, लड़ी

Solution 12134

ब	च	प	न	■	अ	ज	या
या	द	■	■	अ	नु	मा	न
■	रि	वा	ज	■	वा	दा	■
न	या	प	न	■	द	र	बा
र	■	स	ता	ना	■	■	ह
पि	ता	■	■	मं	दो	द	री
शा	प	ना	■	जू	■	म	■
च	ना	■	ब	र	त	न	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में उतावलीपन में लिये गये निर्णय से हानि होगी, शत्रुपक्ष के षडयंत्रों के कारण मन व्यथित रहेगा, पूर्व नियोजित कार्यों में व्यस्तता रहेगी, वर्ष के मध्य में मित्रों व भाईयों के सहयोग से आर्थिक लाभ होगा, संतान पक्ष से नवीन योजनाओं का विचार विमर्श होगा, वर्ष के अन्त में सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी,जमीन जायजाद से लाभ मिलेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों का शत्रु षडयंत्रों के कारण मन व्यथित रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की पूर्व निर्धारित कार्यों में व्यस्तता रहेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को संतान पक्ष से नवीन समाचार प्राप्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों के व्यवसाय में सुधार होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सांसारिक सुखों की वृद्धि होगी,मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का खर्च अधिक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नई योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक की शिक्षा के प्रति लगन रहेगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. मित्रों की संख्या सीमित होगी. कला और संगीत के प्रति रूचि रखेगा. माता पिता को सुखी रखेगा. जन्मस्थान से दूर रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 18 संवत् 2082 माघ कृष्ण पंचमीं गुरूवासरे दिन 10/10, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्रे शाम 4/5, सौभाग्य योगे रात 9/14, तैतिल करणे सू.उ. 6/45, सू.अ. 5/15, चन्द्रचार सिंह रात 10/19 से कन्या, शु.रा. 5,7,8,11,12,3 अ.रा. 6,9,10,1,2,4 शुभांक- 7,9,3.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण पंचमीं को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड़ रूई कपास, खल बिनौला गेहूँ, जौ, चना, बारदाना, में नरमीं रहेगी. वायदा विचार आज पिछले सोमवार के बने भाव पर व्यापार करना लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 2580 है.

मेष- भावुकता में लियेगये फैसले बदलना पड़ सकते हैं. विरोधी साजिश में फसाने की कोशिश करेगा. यश मिलेगा. सुख सौहार्द की प्राप्ती होगी.

वृषभ- दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ता जायेगा. दौड़धूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. संतान सुख मिलेगा. सभी काम बनेंगे. अनावश्यक विवादों को टालें.

मिथुन- युवाओं को कैरियर की तलाश रहेगी. कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफ्लता मिलेगी. दिनचर्या अच्छी रहेगी. पुराना कोई कार्य करने से प्रसन्नता होगी.

कर्क- सुख सुविधा पर खर्च होगा. तनाव के कारण काम में मन नहीं लगेगा. नौकर चाकरों एवं अधिनस्थ वर्ग का सहयोग मिलेगा. प्रियजनों का समाचार मिलेगा.

सिंह- विवादास्पद मामले बातचीत से सुलझा लेंगे, अध्ययन में सफ्लता मिलेगी. आर्थिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी. मित्रों का सहयोग मिलेगा.

कन्या- जल्दबाजी में लिये फैसले बदलना पड़ सकते हैं, सहकर्मी नीचा दिखाने का प्रयास करेगा. कुछ जरूरी काम बनेंगे, जिससे खुशी होगी. योजना का क्रियान्वयन होगा.

तुला- सामाजिक जीवन में मान सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का योग है. आशा से अधिक खर्च होगा. मानसिक अशांति रहेगी. अनिश्चितता रहेगी.

वृश्चिक- बीती बातों को याद करने से गतिरोध बढ़ सकता है. राजकीय कार्य बनेंगे. मन: स्थिति संतुलित रहेगी. व्यवसाय में अच्छी सफ्लता मिलेगी.

धनु- दबाव में फैसला लेने की बजाय टाल दें. रास्ता निकल आयेगा. कारोबारी यात्रा होगी. नौकरी संबंधी कार्यों में सफ्लता मिलेगी. प्रतिष्ठितजनों का सहयोग होगा.

मकर- लापरवाही छोड़कर कार्य पर ध्यान दें, मित्रों से किया गया वादा पूरा करने में नाकाम रहेंगे. समय के स्वरूप को देखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

कुम्भ- कानूनी मामलों में अनुभवी लोगों की सलाह लेकर कार्य करें. लाभ होगा. अनावश्यक खर्च को टालें. परिश्रम एवं दौड़धूप अधिक होगी.

मीन- कार्यक्षेत्र में परिचय का लाभ मिलेगा. वैचारिक मतभेद दूर होने के आसार हैं. पारिवारिक जीवन सुखमय बना रहेगा. मांगलिक कार्य बनेगा.

SUDOKU 7267

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7266

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1